6

16.04.25

पत्रावली पेश हुई। पैरोकार राज उपस्थित। पैरोकार राज को सुना गया। पत्रावली का अवलोकन करने पर प्रार्थी का प्रा. पत्र स्वीकार किया जाकर 100/- रूपये प्रति पेड़ जुर्माना एवं जब्तशुदा लकड़ी की निलामी करवाकर राशि राजकोष में जमा करवाने के आदेश दिये जाते है। विस्तृत निर्णय पृथक से लिखाया जाकर संलग्न किया गया। पत्रावली बाद तरतीब तकमील होकर दाखिल दफ्तर हो।

निर्णय लिखाया जाकर खुले न्यायालय में सुनाया गया।

(signature) 16.04.25
(किरण पाल)
RAS.